भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा एवं साक्षारता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 1366
उत्तर देने की तारीख 25.07.2022

उत्तर प्रदेश में केवी/जेएनवी

1366. श्री आर के सिंह पटेल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में स्थापित केन्द्रीय विद्यालयों/नवोदय विद्यालयों की बुंदेलखंड सहित जिला-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने राज्य के सभी जिलों में नए केवी/जेएनवी स्थापित करने के लिए कोई योजना लागू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) बुंदेलखंड सहित उत्तर प्रदेश के कितने जिलों में कोई केवी नहीं है तथा उन जिलों के नाम क्या हैं; और

(घ) राज्य के उपर्युक्त जिलों में केवी/जेएनवी कब तक स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्यमंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) नए केन्द्रीय विद्यालय (केवि) और जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) खोलना एक सतत प्रक्रिया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य के सीतापुर जिले (एससी केंद्रित) में एक अतिरिक्त जेएनवी सहित 134 केवि और 76 जेएनवी कार्यरत हैं। विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में भदोही, मिर्जापुर, अमेठी, वाराणसी, आगरा, लखीमपुर खीरी, बहराइच, फतेहपुर और हमीरपुर (बुंदेलखंड) जिलों में 09 केवि और सुल्तानपुर और हापुड़ जिलों में 02 जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित किए गए हैं।

(ख) से (घ) नए केवि खोलने के प्रस्ताव पर तभी विचार किया जाता है, जब वे भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों द्वारा प्रायोजित हों और एक नया केवि स्थापित करने के लिए संसाधनों की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई हो। नए केवि खोलने के लिए अनिवार्य पूर्व-अपेक्षाओं को पूरा करने वाले विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों को 'चुनौती पद्धति' के तहत अन्य प्रस्तावों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होती हैं और ये सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन होते हैं। जिले के मापदंड के आधार पर केवि नहीं खोले जाते हैं।

नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) खोलने की परिकल्पना की गई है। नए जवाहर नवोदय विद्यालयों का खोला जाना एक सतत प्रक्रिया है जो संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की इच्छा पर निर्भर

करती है कि स्थायी भवन के निर्माण के लिए अपेक्षित उपयुक्त भूमि मुफ्त में उपलब्ध करायी जाए और स्थायी भवन के निर्माण तक विद्यालय को चलाने के लिए आवश्यक अस्थायी भवन मुफ्त में उपलब्ध कराया जाए। हालांकि, नए जेएनवी की वास्तविक संस्वीकृति और उन्हें खोला जाना धन की उपलब्धता और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है। उत्तर प्रदेश राज्य के सभी जिलों को नवोदय विद्यालय योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है।

राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र सहित उत्तर प्रदेश के 15 जिले, अर्थात् अम्बेडकर नगर, अमरोहा (जे.पी.नगर), बिजनौर, जौनपुर, कन्नौज, काशीराम नगर (कासगंज), कौशाम्बी, महाराजगंज, मैनपुरी, प्रतापगढ़, संभल (भीमनगर), संत कबीर नगर, शामली (प्रबुद्ध नगर), बांदा और जालौन में कोई केवि नहीं है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सूचित किया है कि बांदा जिले में केवि वर्ष 2018 में संस्वीकृत किया गया है और इसे संचालित नहीं किया जा सका क्योंकि राज्य सरकार ने मानदंडों के अनुसार अपेक्षित भूमि और उपयुक्त किराया मुक्त अस्थायी भवन उपलब्ध नहीं करवाया है। इस संबंध में कोई निश्चित समय सीमा नहीं दी जा सकती है।

******